श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावल
डिप्लोमा अभ्यासक्रम -(W.E.F 2024-25)

कक्षा	डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र	समयावधि	१ वर्षम्
प्रश्नपत्र -१	वास्तुभूमि चयन	गुणा	७०
विषय कोड	६३ (DiV)	पेपर कोड	६३१
युनिट	०३	क्रेडिट	०३

युनिट-१	गुणा	धण्टा	क्रेडिट
वास्तुशास्त्र का परिचय एवं कुण्डलीनिर्माणविधि	२५	१६	१
१. वास्तुशास्त्र का परिचय एवं कुण्डलीनिर्माण विधि १.१ ज्योतिषशास्त्र एवं वास्तुशास्त्र का संक्षिप्त परिचय १.२ ज्योतिषशास्त्र एवं वास्तुशास्त्र में सम्बन्ध १.३ वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक आचार्य १.४ वास्तुशास्त्र के मुख्यग्रन्थों का परिचय १.५ पञ्चाङ्गविचार १.६ राशिपरिचय १.७ ग्रहविचार (नाम, उच्च-नीचादि स्थान, ग्रहमैत्री एवं दृष्टिविचार) १.८ इष्टकाल साधन १.९ भयात-भभोग साधन १.१० ग्रहस्पष्टीकरण १.११ लग्न साधन १.१२ भावविचार १.१३ षड्वर्गविचार १.१४ विंशोत्तरीदशाविचार			
युनिट-२	गुणा	धण्टा	क्रेडिट
ग्राम में वास्तुचयन विचार	२०	१३	१
१. ग्राम में वास्तुचयन विचार १.१ वास्तुशास्त्र का प्रयोजन १.२ वास्तुशास्त्र एवं पञ्चमहाभूत १.३ गृहनिर्माण का हेतु १.४ परगृह में वासफल १.५ जीर्णगृहोद्धार का फल १.६ ग्रामवास में नराकृति चक्र विचार			

REGISTRAR (I/c)
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist:Gir Somnath-362266

१.७ ग्रामवास में शुभाशुभज्ञान हेतु शिवाबलि विचार १.८ वर्ग एवं काकिणी विचार १.९ राशिवश निषिद्धस्थान १.१० नामराशि अनुसार ग्रामवास विचार १.११ दिग्दशाज्ञान एवं फलविचार			
युनिट-३	गुणा	धण्टा	क्रेडिट
भू-परिक्षण	२५	१६	१
१. भू-परीक्षण १.१ वर्ण, गन्ध, रस के अनुसार भूमिलक्षण एवं फलज्ञान १.२ भू-अष्टदिक्प्लवत्व फलविचार १.३ गृह के चारों ओर वृक्षों का फलज्ञान १.४ अनूषरादि भूमि का वैशिष्ट्य विचार १.५ शस्त, औषधि, द्रुम, लतादि युक्त भूमि का फलविचार १.६ स्फुटितादि भूमि का फलविचार १.७ गजपृष्ठ, कूर्मपृष्ठ, दैत्यपृष्ठ, नागपृष्ठ भूमि के लक्षण एवं फलविचार १.८ आयत, चतुरस्त्रादि आकृतिवश भूमिलक्षण १.९ मनस्तोष से भूमि का प्राशस्त्य १.१० जागृतादि भूमि के लक्षण एवं फलविचार १.११ जीवितादि भूमि के लक्षण एवं उनके फलविचार १.१२ प्रश्न द्वारा जीवितादि भूमि का ज्ञान १.१३ वृक्ष एवं धान्यों से भूमि का प्राशस्त्य १.१४ खातविधि द्वारा भूमिपरीक्षण १.१५ खातमुहूर्त्त में राहु का ज्ञान १.१६ भूमिसंशोधन में सूत्रनिर्णय १.१७ शल्योद्धार के लिए भमिसंशोधन			

सन्दर्भग्रन्थ	१. बृहद्वास्तुमाला – श्री रामनिहोरद्विवेदी २. जन्मपत्रदीपकम् – श्री विन्ध्येश्वरीप्रसादद्विवेदी ३. वास्तुरत्नावली – श्रीकृष्ण जुगनू ४. मुहूर्तचिन्तामणि

REGISTRAR (I /c)
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist:Gir Somnath-362266

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावल
डिप्लोमा अभ्यासक्रम -(W.E.F 2024-25)

कक्षा	डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र	समयावधि	१ वर्षम्
प्रश्नपत्र -२	**भवन स्वरूप विचार**	*गुणा*	७०
विषय कोड	६३ (DiV)	*पेपर कोड*	६३२
युनिट	०३	*क्रेडिट*	०३

युनिट-१	गुणा	धण्टा	क्रेडिट
वास्तु एवं उसके भेद	२५	१६	१
१. वास्तु एवं उसके भेद			
१.१ वास्तुपुरूष का स्वरूप			
१.२ वास्तु के सन्निकट वातावरण का महत्त्व			
१.३ भूखण्ड की आकृति विषयक ज्ञान			
1) आयतभूमि			
2) वर्गाकारभूमि			
3) विषमचतुर्भुजभूमि			
4) भद्रासनभूमि			
5) वृत्ताकारभूमि			
6) वक्रभूमि			
7) त्रिकोणाकारभूमि			
१.४ तृण, काष्ठ, मृत्तिका, इष्टिका एवं प्रस्तर गृह का फल			
१.५ व्यावसायिकवास्तु विचार			
1) विपणिगृह (दुकान, शोरूम, कार्यालय)			
2) भोजनशाला			
3) चिकित्सालय			
4) कुटीरोद्योगगृह, लघूद्योगगृह			
5) शिल्पगृह (मिल, कारखाना)			
२. धार्मिकवास्तु विचार			
1) मंदिर			
2) गुरूद्वारा			
3) आश्रम (मठ, विश्रामशाला)			
4) धर्मशाला			
5) कूप, वापी एवं तडाग			

REGISTRAR (I/c)
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist:Gir Somnath-362266

युनिट-२	गुणा	धण्टा	क्रेडिट
भित्ति-स्तम्भादि विचार	२०	१३	१
१. भित्ति स्तम्भादि विचार १.१ गृहारम्भ से पूर्व भूमिपूजन का महत्त्व १.२ शिलान्यास में दिशानिर्णय १.३ पिण्ड से बाहर एवं अंदर भित्ति का ज्ञान १.४ गृहनिर्माण के लिए इष्टिकाओं के नाम १.५ इष्टिकाचक्रविचार १.६ इष्टिका के ऊपर वह्निदीपनचक्रविचार १.७ स्तम्भस्थापन विचार १.८ स्तम्भोच्छायविधि १.९ गृहनिर्माण में ग्राह्य एवं अग्राह्य काष्ठ १.१० गृहकार्य हेतु वृक्षच्छेदन का मुहूर्त्त १.११ वृक्षच्छेदन से पूर्व प्रार्थना १.१२ स्तम्भशिलान्यास के समय खात में डालने की वस्तुएँ १.१३ वास्तुकृत्य १.१४ आकृतिभेद से स्तम्भों के नाम १.१५ गृह की ऊँचाई का प्रमाण १.१६ भित्तिप्रमाणज्ञान १.१७ पूर्वादि दिशाओं में गृहों के उच्च, नीच का फल १.१८ आवासीय वास्तुभूमि में दिशाओं के आधार पर कक्षनिर्माणव्यवस्था			
युनिट-३	गुणा	धण्टा	क्रेडिट
दिक्साधन एवं पिण्ड-आयादि विचार	२५	१६	१
१. दिक्साधन एवं पिण्ड-आयादि विचार १.१ दिक्साधनविधि १.२ पिण्डसाधन १.३ आयविचार १.४ गृह आयु विचार १.५ गृहविनाश हेतु विचार १.६ आय, व्ययज्ञान से गृह का शुभाशुभत्व ज्ञान १.७ ध्रुवाङ्कविचार			

REGISTRAR (I /c)
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist:Gir Somnath-362266

सन्दर्भग्रन्थ	१. बृहद्वास्तुमाला – श्री रामनिहोरद्विवेदी २. वास्तुरत्नावली – श्रीकृष्ण जुगनू ३. भारतीयवास्तुशास्त्र – राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम् ४. मुहूर्तचिन्तामणि – पं केदारदत्त जोशी

REGISTRAR (I /c)
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist:Gir Somnath-362266

सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावल
डिप्लोमा अभ्यासक्रम -(W.E.F 2024-25)

कक्षा	डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र	समयावधि	१ वर्षम्
प्रश्नपत्र -३	द्वार-गवाक्षादि विचार एवं मुहूर्त्तविचार	गुणा	७०
विषय कोड	६३ (DiV)	पेपर कोड	६३३
युनिट	०३	क्रेडिट	०३

युनिट-१	गुणा	धण्टा	क्रेडिट
गृहारम्भ मुहूर्त्त एवं द्वारादि विचार	२५	१६	१
१. गृहारम्भ मुहूर्त एवं द्वारादि विचार १.१ गृहारम्भ में कालशुद्धि १.२ गृहारम्भ में शुभ मास, तिथि आदि विचार १.३ राहुमुखविचार १.४ गृहारम्भ में पञ्चाङ्गशुद्धि १.५ गृहारम्भ में सप्तसकारयोग १.६ भूमिशयन के नक्षत्र एवं उपयोगिता १.७ सूतिकागृहनिर्माण में कालविचार १.८ गृहारम्भ में वृषवास्तुचक्र १.९ अजीर्ण एवं जीर्ण गृहविचार १.१० द्वारविचार १.११ द्वारवेध विचार १.१२ सूर्यनक्षत्र से द्वारचक्रविचार १.१३ गृहशोभा की दृष्टि से निषिद्ध पशु, पक्षियों का विचार १.१४ गृह के समीप शुभाशुभ वृक्षविचार १.१५ दिशाओं के अनुसार वृक्षारोपणविचार १.१६ वृक्षारोपणमुहूर्त्त			
युनिट-२	**गुणा**	**धण्टा**	**क्रेडिट**
गृहसम्बन्धित शुभाशुभयोग एवं गृहप्रवेशमुहूर्त्त	२०	१३	१
१. गृहसम्बन्धित शुभाशुभयोग एवं गृहप्रवेशमुहूर्त्त १.१ गृहकालिक कुण्डली द्वारा गृहायुर्दायज्ञान, लक्ष्मीयुक्तगृहयोग, गृह का परहस्तगमनयोग एवं अन्य शुभाशुभ योगविचार			

REGISTRAR (I /c)
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist:Gir Somnath-362266

१.२ कपाट से रहित गृह में प्रवेशनिषेधविचार १.३ गृहप्रवेश में समयनिर्देश १.४ गृहप्रवेश में मास, पक्ष, तिथि, वार, नक्षत्र आदि विचार १.५ गृहप्रवेश में लग्नशुद्धि १.६ गृहप्रवेश में वामरविविचार १.७ गृहप्रवेश में कुम्भचक्रविचार १.८ गृहप्रवेश में गृहपति के कर्तव्य १.९ जलाशयारामदेवप्रतिष्ठामुहूर्त्तविचार १.१० उग्रप्रकृति के देवताओं के स्थापन में विशेषतथ्य १.११ देवविशेष के स्थापन में विहितमासविचार			
युनिट-३	**गुणा**	**धण्टा**	**क्रेडिट**
गवाक्षादि विचार एवं प्रवेशविधान	२५	१६	१
१. गृह के पूर्वादि दिशाओं में प्लवविचार १.१ गृह के पूर्वादि दिशाओं में प्लवविचार १.२ गवाक्षविचार १.३ कूपस्थानविचार १.४ एकाशीति वास्तुचक्र १.५ चतुःषष्टिपद वास्तुचक्र १.६ शिलान्यास विधान १.७ वास्तुशान्ति विधान १.८ गृहप्रवेश विधान			

सन्दर्भग्रन्थ	१. बृहद्वास्तुमाला – श्री रामनिहोरद्विवेदी २. वास्तुरत्नावली – श्रीकृष्ण जुगनू ३. भारतीयवास्तुशास्त्र – राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थानम् ४. मुहूर्तचिन्तामणि – पं केदारदत्त जोशी

REGISTRAR (I /c)
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist:Gir Somnath-362266

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावल

डिप्लोमा दूरवर्ती अभ्यासक्रम- (w.e.f. २०२४-२५)

Diploma (पदविका)
वास्तुशास्त्र
प्रश्नपत्र का प्रारूप १, २ एवं ३

युनिट	विवरण	गुण	आहत्य गुण
1	१. व्याख्यात्मक / वर्णनात्मक प्रश्न (तीन प्रश्नों में से दो के उत्तर लिखें।)	5 गुण के दो प्रश्न	10
	२. व्याख्यात्मक / वर्णनात्मक प्रश्न (दो प्रश्नों में से एक का उत्तर लिखें।)	10 गुण का एक प्रश्न	10
2	१. व्याख्यात्मक / वर्णनात्मक प्रश्न (तीन प्रश्नों में से दो के उत्तर लिखें।)	5 गुण के दो प्रश्न	10
	२. व्याख्यात्मक / वर्णनात्मक प्रश्न (दो प्रश्नों में से एक का उत्तर लिखें।)	10 गुण का एक प्रश्न	10
3	१. व्याख्यात्मक / वर्णनात्मक प्रश्न (तीन प्रश्नों में से दो के उत्तर लिखें।)	5 गुण के दो प्रश्न	10
	२. व्याख्यात्मक / वर्णनात्मक प्रश्न (दो प्रश्नों में से एक का उत्तर लिखें।)	10 गुण का एक प्रश्न	10
4	युनिट १, २, एवं ३ से आहत्य १५ हेतुलक्षी प्रश्न में से १० के उत्तर	सभी प्रश्नों का १ गुण	10
		गुणांक	70

REGISTRAR (I /c)
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist:Gir Somnath-362266